पाती लेके आये ऊधो , ले संदेश पधारे ऊधो, सावरिया नहीं आये ।

पाती लेके आये ऊधो , ले संदेश पधारे ऊधो, सावरिया नहीं आये ।

1 बीत गयी बरसो ,आये नही बरसो।
बरस बरस के बेरिन बरसा, बीती याद दिलाये , बीती याद दिलाये।
कहा छाये घनश्याम श्याम घन, घिर घिर के यहां आये,,,
सवारियां नही आये,,,
(2)
योग धरे नाही, बनकर ब्रम्हचारी,
योग साधकर ब्रम्हा बैठे ,दुनिया कौन चलाये 2 महाप्रलय हो जाये। पर उपदेश कुशल बहु तेरे , देखे और दिखाये
साँवरिया नहीं आए।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33544/title/Paati-leke-aaye-udho--Le-Sandesh-padadhare-Udho--Sawarriyan-nahi-aaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |